सीआईएमपी के छात्रों को मिल रहा बेहतर मौका: वी. मुकुंद

पटना। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) वी. मुकुंद दास का मानना है कि वैश्विक संगठनों में सफल अनुकूलन और नेतृत्व के लिए सांस्कृतिक व संस्कृति में अंतर को जानना आवश्यक है। आज कंपनियों के प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में वैश्वीकरण एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। इसलिए पिछले छह वर्षों से चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना, इजरायल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- टेक्निऑन के सहभागिता से टेक्निऑन मल्टी-कल्चरल टीम प्रोजेक्ट का आयोजन और संचालन कर रहा है। इस साल पीजीडीएम 2020-22 बैच के 40 प्रतिभागियों ने न केवल भाग लिया, बल्कि अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के नागरिकों के साथ परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। इनमें पांच छात्रों ने असाधारण प्रदर्शन किया है और परियोजना में 95 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

Hindustan (Hindi) ! Page.NO-04 ! Dated:06-01-2021

संस्कृति और सांस्कृतिक अंतर को जानना आवश्यक : प्रो डा. वी मुकुंद दास

पटना। सीआईएमपी के निदेशक प्रो डॉ वी मुकुंद दास का मानना है कि वैश्विक संगठनों में सफल अनुकूलन और नेतृत्व के लिए संस्कृति और सांस्कृतिक अंतर को जानना आवश्यक है। उनका मानना है कि आज कंपनियों के प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में वैश्वीकरण एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। इस लिए, पिछले 6 वर्षों सेए चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना, इजरायल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-टेक्नियॉन के सहभागिता से टेक्नियॉन मल्टी-कल्चरल टीम प्रोजेक्ट का आयोजन और संचालन कर रहा है। अपने पहले वर्ष मेंही पीजीडीएम प्रतिभागी विभिन्न देशों के टीम सदस्यों के साथ एक संयुक्त प्रोजेक्ट पर एक बहु-सांस्कृतिक, वर्चुअल टीम में काम करते हैं। प्रोजेक्ट की अवधि लगभग 40 दिनों की है और यह अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर के पहले सप्ताह तक चलता है। इस साल पीजीडीएम 2020-22 बैच के 40 प्रतिभागियों ने न केवल भाग लिया, बल्कि अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के नागरिकों के साथ परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। इनमें से, पांच छात्रों ने असाधारण प्रदर्शन किया है और परियोजना में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनके नाम हैं-रोहित राज, विपुल कुमार राय, अर्चना राज, विशाल कुमार और अजीत बाबू। सीआईएमपी से प्रो ज्योति वर्मा ने इस प्रोजेक्ट का समन्वय किया।

AAJ ! Page.NO-06 ! Dated:06-01-2021

CIMP to organise TMCTP

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Prof (Dr) V Mukunda Das, Director, CIMP believes that knowing culture and cross cultural differences are essential for successful adaptation and leadership in global organizations.

He also says that globalization has become a significant factor in the competitive advantage of companies today. Taking this, from the last 6 years, Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) in collaboration with Israel Institute of Technology-Technion is organizing and conducting Technion Multicultural Team Project (TMCTP).

PGDM participants in their first year only work in a multi-cultural, virtual team on a joint project with team members of different countries. The duration of the project is around 40 days,

PGDM participants in their first year only work in a multi-cultural, virtual team on a joint project with team members of different countries

from last week of October to first week of December. This year 40 participants of PGDM 2020-22 batch have not only participated but successfully completed the project with nationals of U.S., France and Israel. Out of these, five students have performed exceptionally well and have scored above 95% marks in the project. Their names are, Rohit Raj, Vipul Kumar Rai, Archana Raj, Vishal Kumar and Ajit Babu.

On behalf of CIMP, Prof Jyoti Verma coordinates the project with the organizers of Technion, Israel.

Morning India ! Page.No-03 ! D-06-01-2021

कंपनियों के प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ में वैश्वीकरण महत्वपूर्ण कारक

पटना (एसएनबी)। सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी. मुकुंद दास ने कहा कि वैश्विक संगठनों में सफल अनुकूलन और नेतृत्व के लिए संस्कृति और सांस्कृतिक अंतर को जानना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज कंपनियों के प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ में वैश्वीकरण एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। इसलिए पिछले 6 वर्षों से चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट अफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) इजरायल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी- टेकियन की सहभागिता से टेकियन मल्टी-कल्चरल टीम प्रोजेक्ट (टीएमसीटीपी) का आयोजन और संचालन कर रहा है। अपने पहले वर्ष में ही पीजीडीएम प्रतिभागी विभिन्न देशों के टीम सदस्यों के साथ एक संयुक्त प्रोजेक्ट पर एक बहु-सांस्कृतिक, वर्चुअल टीम में काम करते हैं। प्रोजेक्ट की अवधि लगभग 40 दिनों की है और यह अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से दिसम्बर के पहले सप्ताह तक चलता है। इस साल पीजीडीएम 2020-22 बैच के 40 प्रतिभागियों ने न केवल भाग लिया, बल्कि अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के नागरिकों के साथ परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। इनमें से पांच छात्रों ने असाधारण प्रदर्शन किया है और परियोजना में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनके नाम हैं- रोहित राज, विपुल कुमार राय, अर्चना राज, विशाल कुमार और अजीत बाबू। सीआईएमपी से प्रो. ज्योति वर्मा ने इस प्रोजेक्ट का समन्वय किया।

Rashtriya Sahara ! P-3 ! D-06-01-21